हिंदी साप्ताहिक

गौतम संदेश

अखबार नहीं, सशक्त आंदोलन

» वर्ष 5 » अंक 28 » पृष्ठ 12 » मूल्य 2.00 रुपए

दिल्ली, गुरुवार 9 अक्टूबर 2025

www.gautamsandesh.com

सर्वोच्च संविधान है, न कि न्यायालय और न्यायमूर्ति

“ उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की ओर अधिवक्ता राम किशोर द्वारा जूता उछालने की घटना निःसंदेह निंदनीय है लेकिन, न्यायमूर्तियों को भी घटना से सबक लेना चाहिये, उन्हें भी यह समझना चाहिये भारत में संविधान सर्वोच्च है, संविधान ही शक्ति का स्रोत है, न कि कोई संस्था या, किसी संस्था में दायित्व का निर्वहन करने वाला व्यक्ति। संविधान किसी व्यक्ति या समूह को आहत करने वाली धार्मिक टीका-टिप्पणी करने की अनुमति न्यायमूर्तियों को भी नहीं देता, जबकि बीआर गवई ने तो न सिर्फ व्यक्ति बल्कि, एक बड़े समूह के सर्वोच्च देवता पर ही टिप्पणी कर दी। संविधान उच्चतम न्यायालय को लोकतंत्र की रक्षा करने के लिये असीमित शक्ति देता है, इस शक्ति का दुरूपयोग करने से बचना चाहिये और संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करने वालों को भी यह संदेश देना चाहिये कि भारत में सर्वोच्च संविधान है, इसलिये देश में प्रत्येक क्रिया-कलाप संविधान के दायरे में ही होना चाहिये, किसी भी कृत्य में निजी इच्छा शक्ति का प्रदर्शन नहीं होना चाहिये, ऐसा होगा तो, कोई न कोई जूते को भी न्याय का पर्याय बताने लगेगा और कुकृत्य पर गौरव की भी अनुभूति करने लगा, इस सप्ताह की कवर स्टोरी में **बीपी गौतम** उच्चतम न्यायालय में हुये घटनाक्रम पर ही चर्चा कर रहे हैं... ”

आजम की हनक-सनक बरकरार 10

चैतन्यानंद सरस्वती के तिहाड़ जेल में भी ठाठ; वीआईपी सेल में शिफ्ट 11

महाराष्ट्र में बहुप्रतीक्षित नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया... 12